

मुख्यमंत्री ने सेल्फ हेल्प ग्रुप के लयि की बड़ी घोषणाएँ

चर्चा में क्यों?

17 जून, 2023 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने ऑडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों के लाभार्थियों से सीधा संवाद करते हुए कई बड़ी घोषणाएँ की।

प्रमुख बदि

- मुख्यमंत्री ने कहा कि भविष्य में राज्य में जतिने भी राशन डपि अलॉट होंगे, उनमें 33 प्रतिशत डपि महिलाओं को देने का निर्णय सरकार ने लयि है। यद कि कोई स्वयं सहायता समूह राशन डपि के लयि आवेदन करता है तो उसे प्राथमिकता दी जाएगी।
- इसके अलावा, पंचायत की ज़मीन या तालाब का मछली पालन के ठेके के लयि भी सेल्फ हेल्प ग्रुप आवेदन करता है तो उसे नीलामी की राशा में 10 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।
- बस स्टैंड पर भी जो दुकानें लॉटरी या कसिी अन्य तरीके से आवंटति की जाएंगी तो 25 प्रतिशत सेल्फ हेल्प ग्रुपस के लयि आरक्षति रखी जाएंगी। यद ये दुकानें नीलामी के माध्यम से आवंटति की जाएंगी तो एसएचजी को नीलामी की राशा में 10 प्रतिशत की छूट मिलेगी।
- यद स्वयं सहायता समूह के कसिी सदस्य के परिवार की आय 1.80 लाख रुपए से अधिकि बढ़ती है तो 1 वर्ष के लयि उनका राशन कार्ड और आयुष्मान कार्ड नहीं काटा जाएगा।
- मुख्यमंत्री ने बताया कि हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मशिन के कार्यालय में एक कॉल सेंटर स्थापति कयि जाएगा, ताकि सेल्फ हेल्प ग्रुप से जुड़े लाभार्थी वभिनिन प्रकार की जानकारी प्राप्त कर सकें।
- वदिति है कि प्रदेश में वर्ष 2014 में स्वयं सहायता समूहों की संख्या 812 थी। वर्ष 2014-15 में राज्य सरकार ने स्वयं सहायता समूह की ओर ध्यान दयि और पहले ही साल में 2100 नए सेल्फ हेल्प ग्रुपस बने और वर्तमान में प्रदेश में कुल 57,376 स्वयं सहायता समूह हैं।
- इन्हें 54 करोड़ 57 लाख रुपए रविलवगि फंड, लगभग 285 करोड़ रुपए सामुदायकि नविश फंड और लगभग 880 करोड़ रुपए बैंक क्रेडिट लकिज प्रदान कयि गया है। इसके अलावा, राज्य सरकार ने रविलवगि फंड की राशा को 10,000 रुपए से बढ़ाकर 20,000 रुपए कर दयि है।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि एसएचजी से जुड़कर महिलाएँ स्वरोजगार अपनाकर अपने परिवार का पालन-पोषण तो कर ही रही हैं, साथ ही अन्य महिलाओं को भी रोजगार के अवसर प्रदान कर रही हैं। इसलयि सेल्फ हेल्प ग्रुप की बजाय इन्हें 'सोशल हेल्प ग्रुप' कहना सारथक होगा।
- 'हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मशिन' से जुड़ी हुई महिलाओं को सराहनीय कार्यों व समाज में योगदान देने के लयि वभिनिन संस्थाओं व संगठनों द्वारा सम्मानति कयि गया है। ज़िला गुरुग्राम के गाँव चांदू नविासी पूजा शर्मा को अंतर्राष्ट्रीय महिला दविस 2022 के अवसर पर राष्ट्रपति द्वारा 'नारी शक्ति पुरस्कार' से सम्मानति कयि गया।
- मुख्यमंत्री ने संवाद के दौरान ही अधिकारियों को आदेश दयि कि एक पोर्टल वकिसति कयि जाए, जसि पर सेल्फ हेल्प ग्रुप द्वारा बनाए गए उत्पादों की जानकारी डाली जाए। इन उत्पादों की गुणवत्ता को सर्टिफाई कर एक ब्रांड की पहचान दी जाए, ताकि लोग इस पोर्टल के माध्यम से सेल्फ हेल्प ग्रुप के उत्पाद खरीद सकें।
- स्वयं सहायता समूहों द्वारा बने उत्पादों को बाज़ार उपलब्ध करवाने के लयि स्वापन आजीविका मार्ट और सरस मेले वर्षभर आयोजति करने का कार्यक्रम बनाया है। इसके तहत तीज व दीपावली के अवसर पर पूरे प्रदेश में उपमंडल स्तर पर स्वापन आजीविका मार्ट आयोजति कयि जाते हैं।
- राज्य में एसएचजी के लयि वभिनिन प्रकार के प्रशकिषण देने की व्यवस्था की गई है। कंप्यूटर का प्रशकिषण प्राप्त कर तथा भारतीय बैंकिग एवं वत्तितीय संस्थान से उत्तीर्ण होकर 773 महिलाएँ बैंक सुवधि प्रदाता के तौर पर काम कर रही हैं।
- इसके अलावा, राज्य सरकार एसएचजी द्वारा बनाए गए उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दलाने के लयि 'पदमा स्कीम' के तहत 'वन ब्लॉक वन प्रोडक्ट' को प्रोत्साहति कर रही है।
- सलिाई प्रशकिषण योजना के तहत कच्चा सामान खरीदने के लयि दी जाने वाली 150 रुपए की राशा को बढ़ाकर 300 रुपए और 100 रुपए मासकि भत्ते को बढ़ाकर 600 रुपए कयि गया है। इस योजना के तहत प्रशकिषण उपरांत सलिाई मशीन भी दी जाती है। नवंबर, 2014 से अब तक 9,921 लाभार्थियों को 5 करोड़ 85 लाख 53 हज़ार रुपए की प्रोत्साहन राशा दी गई है।
- स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को आजीविका के वैकल्पिक स्रोत उपलब्ध करवाने के लयि आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस योजना के तहत 149 लाभार्थियों को वाहन हेतु 5 करोड़ 41 लाख रुपए की ब्याज रहति राशा उपलब्ध करवाई गई है।



//

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/chief-minister-made-big-announcements-for-self-help-group>

